

उ.३ कूल शब्द / लब्ध उत्तर दीजिए -

(i) 'तुलसीदास' स्वयं को लक्ष्मण पसन्द करते हैं।

(ii) बरिवंशराज बचपन द्वारा निर्मित <sup>(राम का गुलाम / लक्ष्मण की कक्षा)</sup> शकमात्र सादरी का बना नाम है।

- (iii) सिन्धु - धाती सभ्यता में नौन - तै फल उगार जाते थे?
- (iv) दृश्य का प्रथम विकास किसकी सहायता से होता है?
- (v) श्रम - विभाजन किस समाज की आवश्यकता थी?
- (vi) कौन गुरु शान्त स्व की कवितारं में पादा जता है?

उ.५ सही जोड़ी तिरा -

- |                              |                           |
|------------------------------|---------------------------|
| (i) मद्रास स्व का स्यादी भाव | - (स्व)                   |
| (ii) कवित                    | - चर चरण                  |
| (iii) वन तुलसी की गद्य       | - लक्षाद्यामल             |
| (iv) चौपाई छंद               | - सरकारी जम - जम की कक्षा |
| (v) राजजाया                  | - विस्मय                  |
| (vi) रस्सी का साँप           | - फणीरवर नयले             |
|                              | - संपेह कंतकार            |
|                              | - गाल में                 |

उ.६ सत्य / असत्य कथन

- (i) धायावादी जीवन के प्रकृति का मानवीकरण करता है।
- (ii) भिन्न कोर सुमेर में चलमक कोर लक्ष्मी के उद्भव के सत्तेमात होते थे।
- (iii) निरता को 'सरोज - स्मृति' दरदोर सिने स्वना है।
- (iv) सांख्य स्व क्षेत्रीय शब्द है।
- (v) 'कविता' स्व तलनीकी शब्द है।
- (vi) शुभा रीतिगत के कवि है।

प्र.6 शक्तिशाल का नाम 'शक्तिशाल' क्या था? कथवा  
अशक्तिशाल जो हिन्दी साहित्य का स्वर्णयुग क्या कहा  
जाता था।

प्र.7 'निष्ठा और के उद्गार' से जिव का क्या तात्पर्य है कथवा  
नज्म जी के संसार क्या विश्व नहीं है?

प्र.8 गण्डर्भ रंजली में कोई दो कंठ बताइये। कथवा  
गण्डर्भ के नव निवृत्ते हुए संवाद को समझाइये।

प्र.9 'मन खती है, तब जा जाना जाये।' जैनेंद्र  
कुमार ने ऐसा क्या कहा है? कथवा  
अकित्त के स्वभाव की दो विशेषताएँ लिखिए।

प्र.10 यशोवन्त बाबू के व्यक्तित्व की विशेषताएँ लिखिए  
कथवा स्वयं कविता रचने का आत्मविश्वास लेखक  
के मन में कैसे पैदा हुआ?

प्र.11 विद्या के क्षेत्र में काम कर रही कान्त की  
दो संस्थाओं के नाम लिखिए। कथवा

इंटरनेट क्या है?

प्र.12 शस कितने पद्य हैं? शस के कंगों के नाम  
लिखिए। कथवा

वाल्मीकि शस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

प्र.13 काव्य में आज गण कितने कहते हैं? कथवा

अभिधा शब्द - अकित्त की परिभाषा उदाहरण लिखिए।

प्र.14 राष्ट्रभाषा से आप क्या समझते हैं? कथवा  
मुहावरों का कार्य निरवकाश वाक्य में प्रयोग कीजिए

(i) आँसू का तपना होना (ii) कोल्हू का बेल

प्र.15 अशा मुक्ति हेतु एक विज्ञापन बनाइये। कथवा।  
जनसंख्या नियंत्रण विषय पर एक डॉक्टर एवं महिला  
के मध्य होने वाले संवाद लिखिए।

प्र. 16 किराण मोरखपुरी का लाव्यगत परिचय  
 निम्नलिखित आधार पर विचार करवा तुलसीदास  
 (i) रचना (ii) कलापक्ष (iii) साहित्य में स्थान

प्र. 17 महादेवी वर्मा कबवा जैनेन्द्र कुमार का  
 साहित्यिक परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर  
 लिख - (i) दो रचनाएँ (ii) भाषा-शैली (iii) साहित्य में स्थान

प्र. 18 कलाको का अस्तित्व व्यवस्था का  
 मोलनाज नहीं है। (भाव - पतन निर्यात)  
 कबवा मुहाबरे एवं लोकोक्ति में अंतर लिख।

प्र. 19 अपठित गंधार का प्रधानपुरुष को उत्तर लिख -  
 अहिंसा की लालका प्रकृति है। अहिंसा में दूसरे  
 से कहियारे की, विशेषकर जीवधारियों की स्वीकृत रती है।  
 अहिंसा में दूसरे के अहिंसा की, विशेषकर जीवधारियों  
 को स्वीकृत रती है। अहिंसा मन, वचन और कर्म  
 तीनों से होती है। अहिंसा के पीछे जिन्हें करि जीने के।  
 का सिद्धान्त जर्म करता है। अहिंसा मानवता का पर्याय है।  
 (i) उपयुक्त वचन का उचित शीर्षक लिखो -  
 (ii) अहिंसा किसका प्रकृत रूप है?  
 (iii) उपयुक्त गंधार का संरक्षण लिखो -

प्र. 20 निम्न पंथाश की प्रयोग एवं संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।  
 मैं निज रोग में राग विर फिरता हूँ,  
 जोरल वाणी में क्रोध विर फिरता हूँ,  
 जिस पर श्रुति के प्रसाद निचावर,  
 वह संहर का भाग विर फिरता है।

अधवा अमने लो फल,  
रस क्लो लिक,  
अमृत धारणं फुली  
रोपाई क्षण की,

अधवा अमता की  
छुटे रहने से जरा भी नहीं काम होती।

रस का अक्षय प्राप्त अधवा का  
घोल मेरा खेत चलोना

अधवा का अर्थ, अमृत का अर्थ -  
बाजार में रस जाय है वह जाय कौन ही राह काम  
करता है वह रूप का जाय है जैसे युवक का जाय  
हो पर ही चला है, वैसे ही इस जाय की भी  
परमदा है। जब मरी हो, और मन खाली हो  
ऐसी हालत में जाय का अंतर खूब होता है।  
जब खाली पर मन धका न हो, तो ही जाय  
चल जायगा। मन खाली है तो बाजार की  
अनेकानेक चीजों का निश्चय उस पर पहुँच जायगा।  
तब तो फिर वह मन अजी मानने वाला है।

अधवा के रस गुला के अक्षय करके, मुँह  
में काठ - पत्र पान की गिलासों के  
पुड़ी की पान के रस से लाल करते हुए अमरी  
जात में मेले में घूमता। मेले से पस्वार लौटने  
समय उसकी अजीव दुनिया रहती - अर्थात्  
मेरी अजीब अक्षय का अक्षय, हाथ में सिलोने की  
पता और मुँह में पीतल की सीटी बजाता।  
हस्त दुका पर वापस जाता बत कर शरीर की  
अभि परिणाम है।

प. १४ को अर्थ, माध्यमिक शिक्षा में माध्यमिक शिक्षा को प्राथमिक शिक्षा के बाद में प्रवेश करने का अवसर प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।  
 कथन अपने मित्र को परीक्षा में प्रथम स्थान पर बधाई देते हैं।

प. १५ निम्न में से किसी एक विषय पर संक्षिप्त कि नुसार चर्चा करें -

- (i) विज्ञान परीक्षा का अभाव (ii) कोरोना वायरस
- (iii) गरीबों की माध्यमिक शिक्षा का महत्व (iv) भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति
- कथन - जनसंख्या नियंत्रण